

DESTROL GOLD

Acephate 50%+Imidacloprid 1.8% SP
(Insecticide)

This Insecticide is used for the control of various sucking pest and bollworms in cotton.

Recommendation :

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage/HA	Dilution in Water in water (Litres)	Waiting Period between last spray to harvest(Day)
Cotton	Aphid, Jassid, Thrips, White fly, Bollworms	518 1000	500	40

Direction of Use: Preparation of spray mixture : Take the required quantity of product, dilute with a small water and stir well using a stick. Then add the remaining quantity of water as per spray volume required and mix well again by stirring.

b) Plant protection equipments: Use of high volumes hand operated sprayer like knapsack sprayer or foot sprayer is recommended. Tractor mounted sprayer can also be used.

Time of Application : First spray should be given immediately after noticing the appearance of insect pests. The successive sprays can be given at 7-10 days interval depending on pest pressure.

PRECAUTIONS: Do not mix with bare hands. Use a wooden stick for stirring the spray solution. Do not eat, drink or smoke during application. Avoid contact with eyes and skin. Destroy empty containers after use.

Symptoms Of Poisoning : Headache, giddiness, nausea, vomiting, blurred vision, excessive lacrimation and salivation..

First Aid : Remove the patient to fresh air. Remove contaminated clothing. If skin is contaminated wash well with soap and water. If eyes are contaminated flush with copious amount of water. If ingested victim should be induce to vomit by tickling the back of throat. In emergency take the patient to the nearest hospital.

Phytotoxicity : Acephate 50% + Imidacloprid 1.8% SP is not Phytotoxicity to crop at recommended dosage.

Antidote : 1. Atropinize the patient immediately and maintain full atropinization using by repeated doses of 2 to 5 mg. at 5 to 10 minutes interval. Until fully atropinized. 2. Administer 1-2 g of 2 pyridine-2aldoxime-N-Methyl-o-iodine (2PAM) in 10 cc of distilled water & inject intravenously (very slow) taking 10-15 minutes.

Disposal Of Used Container : 1. It shall be the duty of the manufacturers, formulators of insecticides and operators to disposed packages or surplus materials and washing in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution. 2. The used package shall not be left outside to prevent re-use. 3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Storage Conditions : 1. The packages containing the insecticides should be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for stored other articles or should be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the insecticide. 2. The rooms or premises meant for storing insecticides shall be well built, dry well lit, and ventilated and sufficient dimensions.

Chemical Composition :

Acephate (active ingredient)	50.00% w/w
Imidacloprid (active ingredient)	1.80% w/w
Surfactant : (Akyly Naphthalene Sulfonate)	3.00% w/w
Inert : (Precipitated Silica)	QS% w/w
Total	100.000% w/w

डेस्ट्राल गोल्ड

एसिफैट ५०%-इमिटाक्लोप्रिज १.८% एस.पी

(कीटनाशक)

इस कीटनाशक का उपयोग कपास के रस चूसक और डोडी की सुंडी के रोकथाम के लिए किया जाता है।

उपयोग	फलत	कीटों का नाम	प्रति लिटर मात्रा	पानी की मात्रा	अन्नम छिड़काव
कपास	माहू, तंत ला, चुराका, समय सम्मी, डोडी की सुंडी	स.तत्व (ग्राम)	१०००	५००	४०

उपयोग के लिए दिशें : १. छिड़काव के लिए घोल तैयार करना : २. पौध सुरक्षा उपकरण: हाथ से चलने वाले नैपसैक स्पेयर या पुट स्पेयर का उपयोग करें। ट्रैक्टर पर बिठाये हुए स्पेयर भी इसे माल कर सकते हैं।

प्रयोग का समय : पहला छिड़काव कीड़ों के प्रकट होने पर तुरंत करें।

तत्पचार कीड़ों के उपद्रव अनुसार सात से दस दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्राथमिक चिकित्सा : रोगी को बाहर खुली हवा में ले जायें। दूषित त्वचा को साबुन और पानी द्वारा अच्छी तरह धोयें। आँखों को स्वच्छ पानी से धोयें। विष निगल रिया हो तो गांते के अन्दर उगती डालकर उत्तीर्ण करवायें। अगर जरुरत हो तो मरीज को अस्पताल ले जायें।

पांथविशक्तता : एसिफैट ५०% प्रतिशत औस इमिटाक्लोप्रिज १.८% प्रतिशत विलय चूर्चा का सुआव के अनुसार प्रयोग करने से फसल को कोई हानी नहीं दृढ़ती है।

विष नाशक : १. मरीज को तुरंत एट्रोपीन दे और हर ५-१० मिनट बाद २-४ मि.ग्रा. खुराक तब तक देते रहे, जब तक कि एट्रोपीन का पूरा असर न हो जाए। २. १० सी.सी. डिस्ट्रिल वाटर में १-२ ग.ग्रा. २-पायरीडीन-२ एल्डोक्साइम-एन-सिथाइल-आयोडिन (२-पी.ए.एम.) मिलाकर १०-१५ मिनट में धीरे-धीरे इनेक्शन से नसों में दीजिए।

खाली डिब्बों का निपटारा : १. निर्माता, संयोजनकारी एवं दवा का छिड़काव करने वाले व्यक्ति का कर्तव्य है कि वो कीटनाशक डिब्बों का भंडारण, अलग कर्मरों में या ऐसी जगह जहां अन्य वस्तु भंडारण न हो अथवा ताला बंद अलमारियों में करें। कीटनाशक को खाली पदार्थ से दूर रखें। २. कीटनाशक के भंडारण की जगह अच्छी तरह बनी हो, शीतल, और हवादार हो तथा पर्याप्त लची व चौड़ी हो जैसे की वाष्प द्वारा प्रदूषण होने का डर न रहें।

संग्रहण की शर्त : १. खाली डिब्बों, बची हुई दवा को अन्यान्पूर्वक नष्ट करें, जिससे वातावरण दूषित न हो। २. कीटनाशक के उपयोग के पश्चात खाली डिब्बों के बुन : उपयोग के लिए बाहर न छोड़ें। ३. खाली डिब्बों को नष्ट कर, आवादी से दूर जमीन में गाइद़ दें।

रासायनिक संरचना :

एसिफैट (सक्रिय तत्व) ५०.००% भार/भार

इमिटाक्लोप्रिज (सक्रिय तत्व) १.८० % भार/भार

सरफैट (अल्काइल नाफ्थालीन सल्फोनेट) ३.०० % भार/भार

इनरट (प्रोसिपिटेड सिलिका) पर्याप्त मात्रा % भार/भार

योग: १००.०००% भार/भार

डेस्ट्रोर गोल्ड

एसीफैट ५०%-इमिटाक्लोप्रिज १.८% एस.पी

(कीटनाशक)

प्रत्तिप्रूरुत्व अलैंच मिथिलून रसनीलीय मुरिय (रमी तिने पुरुगुलनु), कायलौलीय पुरुगुलनु अलैक्ट्यूलूक उपयोगिनाली।

सैफेरस्ट्रुलु:

फलत	कीटनाशक	प्रति लिटर मात्रा	पानी की मात्रा	अन्नम छिड़काव
कपास	माहू, तंत ला, चुराका, समय सम्मी, डोडी की सुंडी	५१८	१०००	४०

उपयोग के लिए दिशें : १. छिड़काव के लिए घोल तैयार करना : २. पौध सुरक्षा उपकरण: हाथ से चलने वाले नैपसैक स्पेयर या पुट स्पेयर का उपयोग करें। ट्रैक्टर पर बिठाये हुए स्पेयर भी इसे माल कर सकते हैं।

प्रयोग का समय : पहला छिड़काव कीड़ों के प्रकट होने पर तुरंत करें।

तत्पचार कीड़ों के उपद्रव अनुसार सात से दस दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमपान करना मना है। आँखों तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें।

उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिर दर्द, चक्कर, मिलती, उल्टी धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मूँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रयोगकात्तिंत्रों के लिए सावधानिया : कीटनाशक को खाली हाथ से न मिलायें। इसे लकड़ी की ढंगी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पीना, तथा धुमप

